Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 19-12-2006
Participants : Koli Shri Ramswaroop,Sangwan Shri Kishan Singh

>

Title: Need to promote other premier National Sports in the country with the help of multinational companies and the electronic media.

श्री किशन सिंह सांगवान (सोनीपत) : अध्यक्ष महोदय, भारत देश बहुत महान देश है। यहां खेलों की दृटि से इतनी प्रतिभा है कि विश्व में किसी भी देश में इतनी प्रतिभा नहीं है, लेकिन आप देख रहे हैं कि रोजाना की एक्टीविटीस से भारत सरकार, सारी मल्टीनेशनल कम्पनियां, इलैक्ट्रोनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया केवल एक क्रिकेट के खेल का इतना दिखावा बढ़ा-चढ़ाकर कर रही हैं।

13.04 hrs

(Mr. Deputy Speaker *in the Chair*)

हमारे दूसरे जितने भी परम्परागत खेल हैं, उनकी उपेक्षा हो रही है। दूसरे खेलों के खिलाड़ी उपेक्षित महसूस कर रहे हैं, क्योंकि सारा ध्यान क्रिकेट पर जा रहा है।[rep22]

उपाध्यक्ष महोदय, क्रिकेट अमीरों का खेल है। इसे अमीर देश खेला करते हैं। इसके प्लेयर चन्द दिनों में एडवर्टाइजमेंट के माध्यम से करोड़पति हो जाते हैं। जब क्रिकेट का खेल होता है, तो ऑफिसों में कर्मचारी रेडियो सुनते और टेलीवीजन देखते हैं। इस प्रकार समय की बर्बादी होती है। इस खेल के जो परिणाम आ रहे हैं, वे भी आप देख रहे हैं। मल्टी नैशनल कंपनियों द्वारा इस खेल हेतु जितना बजट है और जितना ध्यान दिया जा रहा है, वह आपके सामने है। मीडिया इस खेल को एडवर्टाइजमेंट के माध्यम से बुलंदियों पर पहुंचा रहा है। अगर इतना ही ध्यान हमारे जो परम्परागत खेल हैं, उनकी तरफ दिया जाए, तो

---

* Not recorded

उससे हमारे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा। हमारे परम्परागत खेलों में हॉकी, फुटबॉल, बास्केटबाल, कबड्डी, रैसलिंग, स्वीमिंग और हॉर्स रेस आदि आते हैं जो क्रिकेट को ज्यादा बढ़ावा दिए जाने के कारण समाप्त होते जा रहे हैं। इन खेलों के खिलाड़ी अपने को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। हमारे देश की खेल प्रतिभाओं का बिलकुल यूज नहीं हो रहा है। अतः मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करता हूं तथा मीडिया के लोगों से प्रार्थना करता हूं कि केवल एक गेम को इतना बढ़ावा न दें। वह कमर्शियल गेम हो गया है। वह गेम व्यापार बन गया है, गेम नहीं रहा है। इसलिए अपने देश में जो परम्परागत गेम हैं, उन्हें बढ़ावा दें। हमारे देश के पहलवानों ने दुनिया में नाम पैदा किया है। इसलिए देश में क्रिकेट के अलावा अन्य परम्परागत खेलों को भी बढ़ाने की तरफ ध्यान दिया जाए। हमारे देश का हॉकी सबसे ज्यादा मशहूर गेम था, लेकिन उसमें भी पिछड़ता जा रहा है। इसके कारण करोड़ों खिलाड़ी अपने आपको उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि उन गेमों को बढ़ावा दिया जाए तथा क्रिकेट पर अंकुश लगाना चाहिए जिसने देश को बर्बाद कर दिया है।

श्री रामस्वरूप कोहली (बयाना) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपने आपको श्री किशन सिंह सांगवान जी के साथ एसोसिएट करता हूं।